# पंचम अध्याय –
# परिणाम एवं व्याख्या

# पंचम अध्याय –
# परिणाम एवं व्याख्या

## 5.1 प्रस्तावना –

सारांश किसी भी अध्याय को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है इसके द्वारा अध्याय को सरल रूप मेँ समझा जा सकता है इस अध्याय मेँ लघु शोध का सारांश अध्याय 4 मेँ दिए गए प्रश्नों के आगे संबंधित अध्याय को विभिन्न क्षेत्रों मेँ करने के लिए सुझाव।

## 5.2 समस्या का कथन

कक्षा 8 तक भूगोल पढ़ाने मेँ ई कंटेन्ट की प्रभावशीलता ,उप्लावधि और प्रतिकिया मेँ संस्थान की भूमिका का अध्याय

## 5.3 शोध के उद्देशय

प्रस्तुत शोध के उदेश्य निंम प्रकार से थे :-

- कक्षा 8 वी तक के छत्रों की ई कंटेन्ट की प्रभावशीलता का अनुमान लगाना।
- कक्षा 8 वी की छात्राओ की ई कंटेन्ट उपलब्धि का अनुमान लगाना।
- कक्षा 8 वी के छत्रों की प्रतिकिया का अनुमान लगाना ।
- भूगोल मे ई कंटेन्ट के प्रति प्रतिक्रिया का अनुमान लगाना ।

## 5. 4 शोध परिकल्पना

भूगोल मेँ उपलब्धि पर उपचार का कोई महत्वपूर्ण
प्रभाव नहीं है ।भूगोल मेँ उपलब्धि पर घरेलू भाषा (शिक्षा का माध्यम )पर उपचार का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है । भूगोल मेँ उप्लाधि पर उपचार और घलेरू भाषा (शिक्षा का माध्यम )पर महत्वपूर्ण बातचीत होती है उनके पिछले वर्ष के स्कोर को सहसंयोजक के रूप मेँ लिया जाता है भूगोल मेँ उपलब्धि मेँ पर माता -पिता के पेशेवर पर उपचार पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है ।

## 5.5 शोध चर

- स्वतत्र चर - ई कंटेन्ट
- आश्रित चर – विधीयर्थी

## 5.6 शोध का परिसीमन

- छत्रों को सिर्फ 15 पाठ पढ़ायें जनयेंगे ।
- केवल भोपाल का स्कूल चुना गया है।
- अध्ययन शिक्षा के दोनों (अंग्रेजी और हिन्दीं ) माध्यम तक ही सीमित था।
- प्रायोगिक बुद्धि के लिए केवल 15 दिनों का उचार दिया गया है।
- उन स्कूलों मेँ केवल सी बी सीई का पालन किया गया था।

## 5.7 न्यादर्श

प्रस्तुत शोध मेँ मध्यप्रदेश राज्य के भोपाल शहर मेँ स्थित माध्यमिक विध्याल को न्यायदर्श हेतु चयन किया गया जिसमे 60 विधीयर्थी को लिया गया ।

## 5.8 शोध मे प्रयुत उपकरण

- भूगोल शिक्षण मेँ ई -कंटेन्ट की प्रभावशीलता – ई कंटेन्ट की प्रभावशीलता
- अन्वेषक द्वारा तैयार और मानवीक्रत उपलब्धि परीक्षण
- विधयार्थी की प्रतिक्रिया

## 5.9 प्रदत का विश्लेषण

प्रस्तुत शोध कार्यों हेतु वीधयार्थी के विष्लेसन के लिए 't' टेस्ट तथा कार्यों दर्शन के साथ संबंध गुणांक संखिकी का उपयोग किया गया है ।

## 5.10 शोध के परिणाम

1. कक्षा 8 वी के छत्र एवं छत्रों की प्रभावशीलता ओर उपलब्धि के मध्य अंतर है ।
2. कक्षा 8 वी के छात्र छत्रों की उप्लावधि और प्रतिकिया के मध्य अंतर है।

## 5.11 निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन मेँ छत्रों की ई कंटेन्ट प्रभावशीलता के मध्य अंतर पाया गया। उसी प्रकार उप्लावधि और प्रतिकिया रुचि के मध्य अंतर है इससे निष्कर्ष निकलता है की प्रचलित प्रणाली मेँ छात्र एवं छात्रों को एक समान शैक्षिक असुबिधा तथा विचार प्रणाली प्राप्त हो रही है जिस से वीधयार्थी मेँ ई कंटेन्ट की और आसमान रुझान दिखाई दे रहा है ।

## 5.12 शैक्षिक सुझाव

1. विधीयर्थी को भविष्य के प्रति जागरूक उनकी ई कंटेन्ट के प्रति रुचि को विकसित चाहिए ।
2. विधीयर्थी की रुचि को बढ़ाने के लिए विध्यालय मे ई सामग्री लागू किया जाना चाहिए ।
3. विधीयर्थी को पढ़ाई क्षेत्रों मेँ होने वाले परिवर्तनों से तथा क्षेत्रों से परिचित करना चाहिए ।
4. विधीयर्थी मेँ ई कंटेन्ट रुचि बढ़ाने के लिए कक्षाओ मेँ ही ई कंटेन्ट एवं विध्यालय में शिक्षा लागू की जानी चाहिए ।
5. विधीयर्थी की व्यक्तिगत योग्यता देखकर उन्हे उचित मार्गदर्सन किया जाना चाहिए।

## 5.13 भविष्य के लिए सुझाव

- विधीयर्थी की ई कंटेन्ट की रुचि बढ़ाने के लिए विध्याल की भूमिका का अध्ययन।
- विधीयर्थी की मानसिक योगियता था प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन ।
- विधीयर्थी की सामाजिक स्थिति पर प्रभाव का अध्ययन ।